Romans 5:12-17
रोमियो ५: १२-१७

Greater Grace
अधिक से अधिक कृपा

Bryan Chapell
ब्रायन चैपल

10.08.17
१०.०८.१७

Introduction: Mass shootings, human tragedies, future dangers,
sin, lawlessness, and death = The triangle of Evil

प्रस्तावना : बड़े पैमाने पर शूटिंग, शोकपूर्ण घटनाये, पाप, अराजकता और मृत्यु = बुराई का त्रिकोण

Apostle's dual conclusion:
प्रेरित का दोहरी निष्कर्ष:

1. The Triangle of evil affects everything; but...
   बुराई का त्रिकोण सब पर असर करता है पर....

2. Nothing can separate Christ from His Loved Ones
   प्रभु यीशु से उनके प्यार करने वालो को कोई जुदा नहीं के सकता

Key question: Will a bad background separate me from Christs heart?
मुख्य सवाल: क्या मेरी पृष्ठभूमि मुझे प्रभु यीशु से जुड़ा कर सकती है?

Key thought: Christ's Grace is greater than your background
मुख्य विचार: मेरी पृष्ठभूमि से बढ़कर प्रभु यीशु की कृपा है

I. The Triangle of evil (v12-13)
II. बुराई का त्रिकोण (व्-१२-१३)

You are not alone. Sin, lawlessness, and death affect "the world."
तुम अकेले नहीं हो! पाप, अराजकता और मृत्यु की "दुनिया परअसर है"

A. Why am I as I am?
   में ऐसा क्यों हूँ?

1. Sin entered the world through Adam (v12a)
   एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया,

2. Sin's consequences spread through the world (v12b+c)
   पाप के द्वारा मृत्यु आई, और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई,

   a. By repetition (12b) everyone sins
      दुहराव से (१२ बी) सब पापी है

   b. By representation (v13-14) original sin touching everyone
      प्रतिनिधित्व से (v १२-१३) पहला पाप सब पर असर करता है

B. How does humanity React to "original sin"
   मनुष्य पहले पाप की कैसी प्रतिक्रिया करते है?

   Complaining: That's not fair
   शिकायत: यह निष्पक्ष नहीं है

III. The Gospel's response to the triangle of evil
   बुराई का त्रिकोण की सुसमाचार द्वारा प्रतिक्रिया

   Answering our complaint with these reminders
   हमारी शिकायत का ऐसा उत्तर

A. Even if you don't like the root, you can't deny the fruit (12c- all sinned)
   अगर तुम मूल ना पसंद हो फिर भी तुम फल को नहीं नकार सकते

1. Original sin keeps us from running away from Jesus (12c)
   पहला पाप हमें प्रभु यीशु से दूर रखता है (व् १२ सी)

3. Original sin keeps us running to Jesus to Jesus (v15)
   पहला पाप हमें प्रभु यीशु की और ले जाता है (व् १५)

B. Even if you don't like the original, you should love the sequel
   अगर तुम्हें पहला पाप ना पसंद हो फिर भी तुम्हे नतीजा अचछा लगेगा

1. Adam is a "type" of Christ (v14c)
   आदम प्रभु यीशु का एक प्रारूप है

2. Christ is an antidote for Adam's sin (v16)
   प्रभु यीशु, आदम के पाप के विषहर औषध है (व् १६)

3. Christ is an antidote for Adam's influence (v17)
प्रभु यीशु, आदम के प्रभाव का विषहर औषध है (व् १७)

Conclusion: Balancing the scales with Greater Grace
निष्कर्ष : अधिक कृपा से, तराजू का संतुलन करना